

P. & T. Services Selection Board

+

- *45. { Shri Shree Narayan Das:
Shri Subodh Hansda:
Shri S. C. Samanta:
Shri Bhakt Darshan:

Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether it is proposed to enlarge the scope and functions of the P. & T. Services Selection Board; and

(b) if so, the precise nature of proposals under consideration?

The Minister of Transport and Communications (Shri Jagjivan Ram): (a) The Board started functioning a few months back. At present its scope has been restricted to 4 Circles, namely, U.P., Delhi, Punjab and Rajasthan. On the basis of experience gained, its scope will be enlarged.

(b) This question does not arise.

Shri Shree Narayan Das: May I know whether any programme is proposed to be framed in this regard to increase the scope and functions of this board?

Shri Jagjivan Ram: Not at present. The intention is to gain some experience and then expand its scope.

श्री भक्त दर्शन : क्या शासन ने यह अन्वेषण लगाया है कि देर से देर कितना समय इस बोर्ड को काम करते हो जायेगा जबकि उस की और शाखायें फैलाई जा सकेंगी ?

श्री जगजीवन राम : यह तो सिर्फ पिछले तीन या चार महीनों से ही शुरू हुआ है और प्रारम्भिक अवस्था में है। जब हमें दो चार या छः महीनों का और अनुभव हो जायेगा तब इस पर विचार किया जायेगा।

Shri S. C. Samanta: On 2nd December, 1960 we were told in the consultative committee that the details of the proposal as approved were being worked out. The hon. Minister even

now says that these are being worked out. May I know why such delay has occurred?

Shri Jagjivan Ram: The details had already been worked out for these four circles and the scheme has been introduced. As to its expansion, the experience gained in the working in these four circles will be examined and then the scheme will be expanded.

श्री रामेश्वरानन्द : अभी माननीय मंत्री ने कहा कि इस की प्रारम्भिक अवस्था है मैं जानना चाहता हूँ कि इस प्रारम्भिक अवस्था में कितने वर्ष लग जायेंगे। कुछ कठिनाई जो मंत्रियों को है, मैं ऐसा बात नहीं कहता कि उस को अनुभव नहीं किया जाना चाहिये, किन्तु जो सदस्यगण हैं उन की कठिनाई को भी तो अनुभव किया जाना चाहिये। इसलिये हिन्दी के प्रश्नों का उत्तर हिन्दी में ही देना चाहिये।

श्री जगजीवन राम : हिन्दी के प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में मिल जायेंगे। लेकिन माननीय सदस्य महोदय को यह समझना चाहिये कि मास और वर्ष में अन्तर होता है। अभी तीन या चार मास ही इस को आरम्भ हुए बीते हैं इसलिये यह प्रारम्भिक अवस्था में ही है।

डाक द्वारा तारों का भेजा जाना

+

- *४६. { श्री स० ला० द्विवेदी :
श्री रामेश्वर दांडिया :
श्री स० चं० सामन्त :

क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान राष्ट्रीय डाक-तार कर्मचारी संघ के सभापति के उस वक्तव्य की ओर आकर्षित किया गया है जिस में उन्होंने ने कहा है कि देश के सभी तारघरों से लगभग एक लाख तार डाक द्वारा भेजे जाते हैं ;